सेवामें

श्री मान् पुलिस अधीक्षक महोदय

सिंगरौली, जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश

बिषय :– विप्रो कम्पनीं के द्वारा एक विकलांग व्यक्ति के साथ देश के तमाम बेकसुर बेरोजगार नैजवानों के भविष्य के साथ खेला जा रहा एक गंदा और भद्दा मजाक किया जा रहा हैं । जिससे विप्रो कम्पनीं के द्वारा भारत के तमाम बेकसुर बेरोजगार नैजवानों की भविष्य को खराब किया जा रहा हैं ।

संर्दभ :– महोदय सबिनय बिनम्र निवेदन हैं, कि जहा एक ओर हमारें भारत मे बेरोजगारी व्याप्त हैं वहीं दुसरी ओर विप्रो कम्पनीं के द्वारा भारत के समस्त बेकसूर बेरोजगारों को पहले सुरक्षा निधि के रूप मे कुछ पैंसे लेकर आफर लेटर दीया जाता हैं और उसे भ्रमीत किया जाता हैं। जिससे बेरोजगारों द्वारा उक्त फर्जी कंम्पनी को सिक्योरीटी मनीं के रूप मे कुछ और पैंसे दिलवा सके। और जिस नैंजवानों ने ऐसा नही किया तो उसे यह कह कर भगा दिया जाता हैं, कि सारी प्रकिया गलत हैं और फेकर के द्वारा दिया गया बताया जाता हैं । जिसमे मैं भी एक हूं । पर जब मेरे द्वारा कंम्पनी से सारी प्रकिया गलत होने का प्रमाण मांगा, तो कंम्पनी ने दिनांक 18/06/2014 को दिल्ली मे मुझ पर हमला करवाना चाहा, पर समय रहते मैने खतरा भॉप कर दिल्ली से भाग कर अपने घर आ गया । और इस तरह मेरी जान बच सकी, और हमेशा डर लगा रहता हैं कि मेरे साथ कंम्पनी कोई अनहोनी न हो जाय। इसलिए नौकरी के लिए घर से बाहर नहीं जा पा रहा हूँ। और न्याय के लिये दर–दर भटकता रहता हूं। पर कहीं न्याय नहीं मिल रही हैं । वहीं कंम्पनी के कम्पलेन बोर्ड से एक फेसबुक की साईड (https://www.facebook.com/pages/Report-Indian-Frauds-and-prevention/548188838583090?fref=ts) प्राप्त हुआ था, जिसमे बताया गया था की :–

- आलोक कुमार संधिल्या, धनबाद/कोलकाता (200–700बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मृदुल घोष, कोलकता/दिल्ली/पुणें/मुंम्बई (6000 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मनोज कुमार, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)
- आषीष चन्द्र, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)

और बताया गया की इस तरह का वाक्या सन् 2006 से आरोपिओं द्वारा निरंतर किया जा रहा हैं । जहॉ मेरे द्वारा कंम्पनी से यह जानकारी मांगी की इस समुह मे कितने लोग हैं ? और कौन से लोग कितने नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं ? जिससे कंम्पनी प्रबंधन को खामोंशी छा गई है। और इस मामले को दबाने का प्रयास कर रहे है।

श्री मान् जी से निवेदन है। की प्राथी के साथ हुये धोखाधडी की उच्च स्तरीय जांच करवायी जाय जिससे दूध का दूध और पानीं का पानीं हो सके।और दर–दर की ठोकरें खा रहे मुझ बेकसूर विकलांग को हमारा अधिकार मिल सके।

महोदय

सबिनयबिनम्र निवेदन हैं, कि मध्य प्रदेष राज्य केसिंगरौली जिला के बरगवां का एक विकलांग व्यक्ति निरज गुप्ता पिता श्री मुन्नीलाल गुप्ता जो कि पैर से जन्मजात विकलांग है उक्त व्यक्ति किसी प्रकार से अपनीं

N. K. Gupta
19/09/15

रोजी रोटी की व्यवस्था कर अपना जीवन यापन कर रहा था।उक्त व्यक्ति घर की माली हालत की स्थिती में स्नातक तथा आई0ए0सी0एम0 संस्थान बैढन से कम्प्यूटर हार्डवेयर नेंटवर्कींग का कोर्स किया एवं नेंटवर्कींग करनें के बाद दिल्ली के ए0एन0जी0कम्पनीं में सिक्योरिटी सिस्टम लगानें का काम मिल गया बतौर निरज गुप्ता उक्त कार्य को बडे ही ईमानदारी व मेंहनत से करता रहा।और मात्र निरज गुप्ता ही नहीं हर नौकरी तलास करनें वाले की इच्छा होती है की वह एक मल्टीनेंषनल कम्पनीं में एक कर्मचारी बननें की चाह होती है।तभी एक दौर ऐसा आया की दिनांक 15 फरवरी 2013 को सुरेष महतो(09716218796) जो की झारखंड के धनबाद जिले का रहनें वाला था नें बिप्रो कम्पनीं में स्थाई नौकरी के लिये बताया और कहा की तुम्हे 20,000रू बतौर सिक्योरीटी मनीं देनें की बात कही और। और कहा की मेरा पैसा रिफंडेबल चेक के द्वारा वापस मिल जायेगा,जब निरज गुप्ता नें इसकी बातों पर विष्वास नहीं किया तो उसनें अपना आफर लेटर एवं ईमेल (srinivasan@recruitment-wipro.com) दिखाई, ईमेल देखने से गलत नही लग रहा है,दिखाया और कहा की करना हो तो एडवांस दे दो तब जब मैने हा कहा तो सुरेष महतो ने अपने मोबाईल से एक एस0एम0एस0 कर मुझे दिनांक 19/02/2013 09:37 को आई0सी0आई0सी आई0 बैक अकाउंट नं0 082401500489 दिया जोकि मृदुल घोष के नाम से था पर मैनें एक्सीस बैंक एकाउंट मांगा तब दिनांक 19/02/2013 13:16 को मुझे एक्सीस बैंक का एकाउन्ट नं0 मिला जो 911010036113712 जो सान्डील्य आलोक कुमार सीटी सेनट्रल ब्रान्च धनबाद में पैसे भेजनें को कहा तब मैनें एक्सीस बैंक के एकाउन्ट में अपनें एटीएम कार्ड से फन्ड ट्रान्सफर किया जिससे दिनांक 21/02/2013 को मेरा फोन से साक्षात्कार हुआ और उसके बाद दिनांक 24/02/2013 को ऑफर लेटर आ गया, ऑफर लेटर अंदर सिक्योरिटी मे था, उसमे न तो कुछ चेंज कर सकते है न ही प्रिंट कर सकते हैं। जिससे यह सब देख मैं ए0एन0जी0 कम्पनी प्रबंधन को इस्तीफा दे दिया ।और इस्तीफे के 15 दिवस के बाद सुरेश महतो के माध्यम से मुझे बताया गया की विप्रो कम्पनी मे मेंरी ज्वायनींग को अभी दो से तीन महीनें का वक्त लगेगा इस बीच मै अपनें घर (बरगवॉ, जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश) आकर विप्रो कम्पनी के द्वारा बुलावे का इंतजार करनें लगा। तीन महीनें का समय गुजर जानें के बाद मेंरी बात सुरेष महतो के द्वारा मुझे एक नम्बर मिला नं0–08961596670 जो आलोक सान्डील्य के नाम से था से बात हुयी बात करनें पर मेंरी ज्वायनींग की प्रोसेस चालू हुयी और कम्पनीं के द्वारा दिनांक 18/06/2013 को एक मेल जिसमे मुझसे मेंरा मेंडीकल चेक करवानें की बात हुयी तब मैने अपनी मेंडीकल की जानकारी दिनांक 21/06/2013 को दिया उसके बाद दिनांक26/08/2013 को एक मेल जिसमे सिनर्जी एकाउन्ट आया जिसमें मुझे आई0डी0 *Log in 8740065472Password - wipro@123456* प्राप्त हुआ और मेंल के द्वारा बताया गया की यह एकाउन्ट 28 कार्यदिवस पुरे होनें पर साईड(https://synergy.wipro.com/NASApp/com/SynergyLogin.jsp)पर चालू होगी पर निर्धारित समय पर यह चालू नहीं हुआ और इसके बाद मुझे दिनांक आफर मिला की अगर मैं एक या दो लडकों को और देता हूँ तो मुझे और बडे पोस्ट पर काम दिया जायेगा और मुझे एक मेल दिनांक 10/10/2013को जिसमे ऐ बताया गया की मेरी पोस्ठ अपग्रेट कर दिया गया है जिसका(Request No - H876400-H37) है और मेरे द्वारा लडकों को न देने की बात पर कम्पनी के द्वारा इसी मेल के माध्यम से ऐ बताआ गया कि अगर मै अपनी कमीटमेन्ट को 48 धन्टे के अन्दर पुरा नही की तो मेरी ज्वाईन की प्रोसेस को रद्द कर दिया जाऐगा और तब मैने दिनांक 11/10/2013को एक मेल के माध्यम से कम्पनी से जानने का प्रयास किया कम्पनी को जो कुछ मुझसे चाहीऐ वो ईमेल के माध्यम से बताऐ और कम्पनी को सक्त चेताया की अगर मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईन नही हुई तो मै इसके लिऐ कोंट मे जाउंगा और मेरे पास पर्याप्त सबुत भी हैं ।अबतब मुझें ऐ अहसास हो चुका था कि यहा से मुझे कोई नोकरी नही मिलेगी और मेंरा भविष्य चौपट हो चुका है अब मैंने अपने जहन मे ऐ पक्का इरादा कर लिया की इन सबको पकडवा कर कानून के हवाले करूँगा उसके लिये मुझे चाहे जो करना पडा वो करूँगा इसके लिये मैने सबसे पहले दोनो एकाउंट नम्बर की डिटेल निकालने के लिये दोनो बैंक के कर्मचारीओ से गुप्त रूप से सर्म्पक किया और उनकी जानकारी हासीलकी।

1. आलोक कुमार सांडिल्या खाता कं. 911010036113712 एक्सीस बैंक ब्रांन्च सिटी सेन्टर धनवाद बिहार मोबाईल कं. 09088013796, 8961596670 और ईमेल आई0डी0 **shandilyaalokekumar@gmail.com**

M.K. Gupta
19/09/13

2. मृदुल घोष और मौसमी कौल ज्वाईन्ट आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक खाता नं0 082401500489, पतारमाकान्त मिर्स्ती, मैंन ग्रउन्ड फ्लोड मुर्चीपरा ईस्कोयर कोलकाता मोबाईल नं0 08443926007, ईमेल आई0डी0 **rocks.jesuschrist@gmail.com**

कर दिनांक 19/11/2013को कम्पनी प्रबन्धन को एक ईमेल के माध्यम से चेताया की अगर मै यह जानकारी हासील कर सकता हु तो तुम्हारे साथ क्या नही कर सकता इस लिऐ मै कम्पनी से अनुरोध करता हु कि मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाइंनिंग कर हम सबकी लाईफ को खराब होने से बचालिया जाय अन्यथा मै एक सप्ताह मे अगर ज्वाईन नही हुई तो मै भारत सरकार की मदत लेकर कम्पनी प्रबन्धन के खिलाफ लामबंद हो जाऊँगा जिससे पहले मुझे दिनांक 22/11/2013समझाने का प्रयास की पर जब मै नही माना तब कम्पनी प्रबन्धन के द्वारा दिनांक 25/11/2013को एक मेल के माध्यम से बताया गयाकी मेरे प्रोसेस(Notice Reference No 40954-H213) को फिर से चालू किया और जिसमे मुझसे पुनः मेरे प्रमाण पत्र मागा गया जो मेरे द्वारा दिनांक 26/11/2013दिया और कम्पनी को एक महीनें का समय देकर यह बोला गया की अगर उक्त समय मे मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईनींग न हुई तो भारत सरकार की मदद की बात कही गयी थी। तब दिनांक 11/12/2013 को एक मेल के माध्यम से कम्पनी प्रबन्धन द्वारा मुझे चेताया गया की मै 24–48 धंटे के अन्दर मै कन्फर्म करू की जो प्रमाण प्रत्र दिया है वह सही है जो मेरे द्वारा दिनांक 12/12/2013 को कन्फर्मेसन दिया गया की मेरे द्वारा जो प्रमाण प्रत्रदिया गया है वो सही है और वही दुसरी ओर मै दिनांक 24/11/2013को कम्पनीं की मेंल आई डी (**helpdesk.recruitment@wipro.com**) पर आफर लेटर वाली ईमेल को भेजा और जानकारी मांगी की मेंरी स्थिती क्या है तो कम्पनीं से दिनांक 13/01/2014 को वापस जबाब मिला की यह सब गलत है। और यह सारी मेंल एक फेक मेंल है। जिससे कम्पनीं का कोई सम्बन्ध नहीं है। तब मैंनें कम्पनीं से इसके फेक होनें का बार–बार प्रमाण मांगने पर कम्पनीं के द्वारा जानकारी नहीं दी गई और कहा गया की मै नजदीकी पुलिस स्टेसन मे एफ0आई0आर0 करने को कहा गया तब मैनें दिनांक दिनांक 18/02/2014 पूरी मेंल की कांपी कर कम्पलेन बोर्ड में डाल दिया जिससे दिनांक 19/02/2014को कम्पनी प्रबन्धन से एक साईड दिया गया और बताया की गलत ईमेल यहां से बनता है पर जब मैरे द्वारा इस साईड का गहन अध्यन करने पर जानकारी मिली की गलत ईमेल बनाने के लिये एक फार्म भरना पडता है और कुछ पैसे आनलाईन देने होते है जो की ए0टी0एम0 से ही सम्भव है जिससे जो भी गलत ईमेल बनाता है तो उसकी पुरी जानकारी इस साईड मे जुडी होगी जिससे कम्पनी प्रबन्धन आसानी से प्राप्त कर, गलत ईमेल बनाने वाले के खिलाफ लीगल एक्षन लेकर कानूनी कार्यवाही कर सकता हैं, पर उसने ऐसा नही किया जिससे साबित होता है कि ये पुरी प्रकीया कम्पनी प्रबन्धन ही करवा रहा है और इसके विपरीत किसी भी षिक्षण संस्थान या कोई भी कम्पनी अपने कर्मचारी को ऐसी साइड के बारे मे नही बताती है जिससे अगर कोइ बेकसुर छात्र अगर इस तरह से धोखा खाता है तो इसके लिये पुरी जिम्मेवारी कम्पनी प्रबन्धन की होनी चाहिये! वही दुसरी ओर मुझे एक मेल दिनांक 19/02/2014 को एक ईमेल (acharya.sourav@yahoo.in) से प्राप्त हुआ और कहा गया कि मै अपना कलर प्रमाण पत्र की छाया कापी मागी गयी मेरे व्दारा दिनांक 20/02/2014 को दिया गया । वही दुसरी ओरसी0बी0 साईड से दिनांक 20/02/2014 मुझे एक एस0एम0एस0 और एक फेसबुक लिंक आया जिसमे मुझसे आग्रह किया गया कि मै अपना मोबाइल नं. दु जिससे मै कम्पनी से जुडकर जो भी मेरे पास जानकारी है कम्पनी को दु जिससे कम्पनी उनलोगो को पकड सके! मैने अपना मोबाइल नं. और ईमेल आई0डी0 सेंड कर दिया जिससे दिनांक 20/02/2014 उस साइड के माध्यम से एक सौरव आर्चाया नाम का एक व्यक्ति की कांल ;मोबाईल नं. 09051923234 आया और ऐ बताया गया कि आलोक नाम का एक व्यक्ति पकडा गया है चुँकी सौरव आर्चाया सी0बी0 के माध्यम से मुझसे जुडा था इस लिऐ मैने उसे पुरी जानकारी दे दी और मैने सौरव आर्चाया के बारे मे सी0बी0 के माध्यम से जानकारी लि तो दिनांक 21/02/2014 को बताया गया की हॉ यह सही है! कम्पलेन बोर्ड से जो फेसबुक की साईड आई थी उसमे ये दिखाया गया कि मृदुल नाम का व्यक्ति भी पकडा गया है । और ये बताया गया की :–

- आलोक कुमार संधिल्या, धनबाद/कोलकता (200–700 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मृदुल घोष, कोलकता/दिल्ली/पुने/मुम्बई (6000 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)

N.K. Gupta
19/09/15

- मनोज कुमार, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)
- आषीष चन्द्र, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)

और सौरव आर्चाया के माध्यम से कहा गया की ऐ पुरी प्रकिया कलकत्ता कोंट मे चल रहा है । और मै नियरेस्ट पुलिस स्टेसन मे एफ0आई0आर0 करने को कहा गया जिससे इस प्रकिया मे मजबुती आऐ, पर मेरे गांव के पुलिस विभाग का कहना था कि इस केस मे सी0आई0डि0 काम कर रही है, तो वो कुछ नही कर सकते । वही सौरव के द्वारा दिनांक 27/02/2014 को ऐ कहा गया की इस काम करने मे राजनितीक अडचन आरही है क्युकि मृदुल ने बहुत सी पार्टी से जुडा है जिसकी रिकार्डींग मैने युतूब मे डाल रखी है इसी र्दमीयान दिनांक 27/02/2014को ईमेल आई0 resourcing.infotech@wipro.com से मेरे दोस्त पवन नारवल के ईमेल (Pk.narwal.14@gmail.com) मे कम्पनी व्दारा एक ईमेल जिसमे पुनः सिनर्जी एकाउन्ट जिसका (Synergy User Name :599080) आ गया जो साईड (https://synergy.wipro.com/CandidateWILogin.html) मे खुलने की बात कही गयी उसके बाद पुनः एक मेल जिसमे (Password-19MAANPA) इसी मेल आई0डी0 से 3 घंटे के अन्दर आ गई इस बार एकाउंट खुल गई और इसके कुछ दिन बाद दिनांक 11/03/2014को ईमेल आई0डी0 (mahima.hegde@wipro.com) से काल लेटर (Contact Person: Dhruv) भी आ गई पर जब मै इस काल लेटर के बारे मे कम्पनी की आई0डी0 (**helpdesk.recruitment@wipro.com**) से दिनांक 13/03/2014को जानकारी लेने की कोशीश की तो कम्पनी के व्दारा दिनांक 19/03/2014को ऐ बताया गया की अगर मै किसी रिकुयेटर से जुडा हुँ तो वो मुझे इन्टरव्यु के लिये बुला रहा है पर जब मैने दिनांक 28/03/2014को ईमेल आई0 resourcing.infotech@wipro.com से आऐ हुऐ सिनर्जी एकाउन्ट के बारे मे जानकारी मागी तो कम्पनी के व्दारा दिनांक 03/04/2014को जबाब न देते हुऐ पुलिस मे एफ0आई0आर0 की बात दुहराई गई । अब तक जो भी इस प्रोसेस को करवा रहा था वो पकडा जा चुका था। सी0बी0 की साईड पर सक तब हुआ जब सी0बी0 की जिस साइड से सोरव मुझसे जुडा था उस साइड से मेरे और उस साइड के वार्तालाप के कुछ एस0एम0एस0 डिलीट किया जारहा है तब मैने पुरी मेल और सबुत की बीडीओ बनाने के लिऐ दिल्ली गया और वहा से सारी सबुत का बिडीओ(**WIPRO START TO CHEAT INNOCENCE PEOPLE PORT 1OF 5**) बनाकर मै दिनांक 16/04/2014को यूतुब की साईड मे डालकर उसकी लींक को दिनांक 16/04/2014को कम्पनी को सेन्ड किया।

Inside Story of Wipro Company

https://www.youtube.com/watch?v=NZLGQdDoukU

Who is give me offer Latter by E-mail

https://www.youtube.com/watch?v=v1sVRjwULWk&feature=youtu.be

Conversation between Neeraj Gupta and Wipro Company by E-mail

https://www.youtube.com/watch?v=HwT6nUt1cow&feature=youtu.be

About Complain Board of Wipro Company Side

https://www.youtube.com/watch?v=zxsBuUz0ImE&feature=youtu.bePart-1

https://www.youtube.com/watch?v=ZDzRBZDUYRg&feature=youtu.bePart-2

https://www.youtube.com/watch?v=bwZXaVLZADw&feature=youtu.bePart-3

Convesation between Neeraj Gupta and aloke shandilya (Voice Record)

https://www.youtube.com/watch?v=u6Ik_xGSboo Part-1

Saurev Acharya was connected me on Complain Boad of Wipro Company(Voice Record)

https://www.youtube.com/watch?v=DDteNJGbsoAPart-1

https://www.youtube.com/watch?v=JkJu9pS0yIoPart-2

https://www.youtube.com/watch?v=8I-cnKacnQgPart-3

https://www.youtube.com/watch?v=_Hu7aMMp4MIPart-4

https://www.youtube.com/watch?v=rcQbftpOKx0Part-5

N.K.Gupta
19/09/15

https://www.youtube.com/watch?v=AISGNhMFqR8Part-6
https://www.youtube.com/watch?v=B5zquEGRLyE Part-9
https://www.youtube.com/watch?v=h-2xu6DALboPart-12
https://www.youtube.com/watch?v=OdyTt2P7RaQPart-15
https://www.youtube.com/watch?v=NZaS4K7y91o&feature=youtu.bePart-20
https://www.youtube.com/watch?v=vSadQG6WKT4 Part-21

Conversation between Me and CSP Singrauli

https://www.youtube.com/watch?v=X0Yyd7TJZ50&feature=youtu.be

Conversation between me and cyber crime cell

https://www.youtube.com/watch?v=PwRRKz7N7Mk&feature=youtu.be
https://www.youtube.com/watch?v=2VcN5aoSzbk&feature=youtu.be

Conversation between me and Ajay Singh, who is accepting to responsible back to give me my loss carrier

https://www.youtube.com/watch?v=9FzEhExbPo8
https://www.youtube.com/watch?v=CGfNIf_RbFU
https://www.youtube.com/watch?v=kHUvFkVR0VA
https://www.youtube.com/watch?v=d8C3i6-SYww

पर कम्पनी प्रबन्धन को इससे कोई फर्क न पडता और कम्पनी के माध्यम से बार–बार आग्रह किया जाता रहा की मै अपने नजदिकीय पुलिस स्टेषन मे जाकर एफ0आई0आर0 कर दु। ऐ सब देख मै दुसरी कम्पनी मे नोकरी तलासने लगा तब एक दौर वो भी आ गया की दिनांक 18/06/2014 को मुझे एक प्राइवेट कम्पनी मै सेलेक्ट भी हो गया और अगले दिन मुझे ज्वाइनींग करना था पर अचानक मुझे ऐसा अनदेसा हुया की कुछ लोग मेरा पिछा कर रहे है जिससे मै किसी अनहोनी होने के डर से उक्त दिनांक कोही माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त बिवरण से अवगत कराने की मंषा से लेटर की कापी अपने एक अन्य दोस्त को दे कर और ये कह कर की इसे रजीस्टर्ड डाक करने कह मै दिल्ली से भाग खडा हुआ जो मेरे दोस्त के द्वारा उक्त लेटर दिनांक 19/06/2014 को माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त पत्र साउथ एक्स नई दिल्ली से रजीस्टर्ड डाक द्वारा और मै स्वयं दिनांक 02/07/2014 को माननीय सायबर क्राइम सेल को कोरियर द्वारा बरगवां, जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश से प्रेषीत किया है। जिससे साईबर काईम सेल के माध्यम से एक शिकायत क0–C-2621/DCP/EOW जो ईमेल आई0डी0 से (cybercell.eow12@gmail.com) प्राप्त हुआ । जो बजाया गया कि यह मामला पुलिस अधीझक सिंगरौली, मध्य प्रदेश को भेजा गया बताया गया । और इधर काफी समय बीत जाने के बावजुद जब कुछ नही होता देख मै दिनांक 02/11/2014 को प्रधान मन्त्री को पुनः एक लेटर से इस ओर ध्यान देने वावत् विनम्र आग्रह कियापर फिर भी माननीय प्रधान मंत्री महोदय और साईबर काईम सेल के माध्यम से कुछ न होता देख मै 29/11/2014 को पुनःन्याय की गुहार लगाई। और कुछ दिन बाद दिनांक 19/01/2015 को साईबर काईम सेल के माध्यम से एक और शिकायत क0 PC-2621/14&DY-651/DCP/EOW जो गॉधी नगर गुजरात के पुलिस अधीझक को भेजा गया बताया गया, पर कार्यवाहि क्या हुआ नहि बताया गया ।

भारत सरकार के माध्यम से भी कुछ न होता देख, मैं जिन भी महानुभावो की ईमेल आईडी0 गुगल के माध्यम से पाता गया उन सब महानुभावो को अपनी व्यथा सुनाता गया इस क्रम मे भारत के पुरे सी0बी0आई0 डाईरेक्टर, भारत के पुरे डी0जी0पी0 जैसें तमाम महानुभावो को अपनी व्यथा सुनाया पर किसी ने भी न सुनी

N.K. Gupta
19/09/15

और न ही कोई जबाव आया। जिसके बाद मेरे द्वारा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया। जिससे माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा दिये गये आदेश की छायाप्रति संलग्न है।

अस्तु श्री मान् जी से विनम्र अनूरोध हैं कि प्रार्थी को न्याय दिलाने का महांन कष्ट करें।

संलग्न :–

1. उच्च न्यायालय की आदेश पत्र की छायाप्रति
2. थाना बरगवां को दिये गये शिकायत पत्र की छायाप्रति
3. पोस्ट ऑफिस की रसीद की छायाप्रति

N. K. Gupta
19/09/15

प्रार्थी

निरज कुमार गुप्ता
Email-id Neeraj.gupta615@gmail.com
Co. No. +91-7771822877